APM-01

सत्रीय कार्य पुस्तिका

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

समाकलित पीड़क प्रबंधन
में
व्यवहार-मूलक पाठ्यक्रम

(1 जनवरी, 2025 से 31 दिसम्बर, 2025 तक वैध)

सत्रांत परीक्षा के लिए फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य जमा करना अनिवार्य है।

विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

(2025)

प्रिय विद्यार्थी,

हम उम्मीद करते हैं कि स्नातक उपाधि कार्यक्रम में अपनायी गयी मूल्यांकन पद्धति से आप भली-भांति परिचित हैं। आपके नामांकन के बाद हमने आपको ऐच्छिक पाठ्यक्रम की एक कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग हैं उसे कृपया दुबारा पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं निरन्तर मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको **एक सत्रीय कार्य** करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

इससे पहले कि आप किसी प्रश्न का उत्तर लिखें, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के आधार पर विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : .....

नाम : .....

पता : .....

.....

पाठ्यक्रम संख्या : .....

पाठ्यक्रम शीर्षक : .....

सत्रीय कार्य संख्या : .....

अध्ययन केंद्र : ..... दिनांक : .....

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गये प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2) अपना उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप काग़ज़ का इस्तेमाल करें, जो ज़्यादा पतला न हो।

3) प्रत्येक काग़ज़ पर बांयें, ऊपर और नीचे 4 से. मी. की जगह छोड़ें।

4) आपके उत्तर स्पष्ट होने चाहिए।

5) प्रश्नों के हल लिखते समय, स्पष्ट संकेतों द्वारा बताएं कि किस प्रश्न का कौन सा भाग हल किया जा रहा है।

6) यह सत्रीय कार्य 1 जनवरी, 2025 से लेकर 31 दिसम्बर, 2025 तक वैध हैं। इस सत्रीय कार्य पुस्तिका के मिलने के 12 हफ्तों के अन्दर ही सत्रीय कार्य पूरा करने की कोशिश कीजिए, ताकि सत्रीय कार्य का एक शिक्षण साधन की तरह उपयोग हो सके। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त होनें वाली उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

7) परीक्षा फार्म भरने से पहले सत्रीय कार्य करना अनिवार्य है।

अपनी उत्तर पुस्तिका की फ़ोटोकॉपी ज़रूर रखिए।

शुभकामनाओं के साथ।

सत्रीय कार्य
(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : APM-01
सत्रीय कार्य कोड : APM-01/TMA/2025
कुल अंक : 100

---

1. चिकित्सकीय महत्त्व के किन्हीं **तीन** पीड़कों को सूचीबद्ध कीजिए। इनमें से किसी **एक** का जीवन चक्र, स्वास्थ्य पर उसका प्रभाव तथा उससे बचाव के उपायों का वर्णन कीजिए। (10)

2. जैव नियंत्रण IPM का प्रमुख घटक क्यों है? इसके गुणों तथा दोषों का वर्णन कीजिए। (10)

3. IPM की यांत्रिक तथा भौतिक नियंत्रण पद्धतियों का वर्णन कीजिए। (10)

4. क) IPM में किसानों के स्थानीय तकनीकी ज्ञान की भूमिका का वर्णन कीजिए। (5)

   ख) गैर-सरकारी संस्थान IPM को प्रोत्साहित करने में किस प्रकार सहायता करते हैं? (5)

5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट लिखिए : (10)

   क) कृषक खेत स्कूल

   ख) पादप स्वास्थ्य निदानिकाएँ

6. IPM में निदर्शों तथा सुदूर संवेदन की भूमिका का वर्णन कीजिए। (10)

7. IPM को परिभाषित कीजिए। इसकी प्रमुख युक्तियों तथा नीतियों पर चर्चा कीजिए। (10)

8. निम्नलिखित में अंतर लिखिए : (10)

   क) एकाहारी तथा विविधाहारी पीड़क

   ख) परभक्षी तथा परजीव्याभ

   ग) कीट तथा नेमेटोड

   घ) वानस्पतिक तथा रोगाणुक पीड़कनाशी

9. पीड़क नियंत्रण में आनुवंशिक इंजीनियरी के विशेष संदर्भ में विभिन्न आनुवंशिक पद्धतियों का वर्णन कीजिए। (10)

10. IPM को कम क्यों अपनाया जाता हैं? भविष्य में इसे प्रोत्साहित करने के लिए किन नीतियों को प्रयुक्त करना चाहिए ? (10)